

वैश्विक आर्थिक संभावना रपिपोर्ट: विश्व बैंक

प्रलिस के लयि:

[विश्व बैंक \(WB\)](#), [सकल घरेलू उत्पाद \(GDP\)](#), [वैश्विक व्यापार](#), [महामारी](#), [ऋण](#)

मेन्स के लयि:

विश्व बैंक की वैश्विक आर्थिक संभावना रपिपोर्ट, भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, संवृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [विश्व बैंक \(World Bank- WB\)](#) ने अपनी वैश्विक आर्थिक संभावना रपिपोर्ट (Global Economic Prospects Report) जारी की है जिसके अनुसार वर्ष 2024 के अंत तक वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है जो 30 वर्षों में [सकल घरेलू उत्पाद \(GDP\)](#) की सबसे धीमी गति से वृद्धि करने वाला अर्द्ध दशक सिद्ध हो सकता है।

रपिपोर्ट से संबंधित प्रमुख बढि क्या हैं?

- 30 वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का सबसे धीमा अर्द्ध दशक:
 - वर्ष 2024 में 2.4% की वृद्धि दर के साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था में तीन दशकों में सबसे धीमी GDP वृद्धि का अनुभव होने का अनुमान है।
- वगित वर्ष की तुलना में बेहतर प्रदर्शन:
 - अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मजबूत होने से वैश्विक [मंदी](#) का जोखिम कम हो गया है जिसके परिणामस्वरूप वगित वर्ष की तुलना में वैश्विक आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है।
 - कति बढते भू-राजनीतिक तनाव विश्व अर्थव्यवस्था के लयि आगामी भविष्य में चंतिाँ उत्पन्न कर सकते हैं।
- विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के मध्यम अवधि प्रदर्शन में गंिरावट:
 - वैश्विक अर्थव्यवस्था एक वर्ष पूर्व की तुलना में बेहतर स्थिति में है जबकि कई विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का मध्यम अवधि का प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। इसके कारणों में धीमी वृद्धि, [वैश्विक व्यापार](#) में कमी तथा प्रतिकूल वित्तीय स्थितियाँ शामिल हैं।
- वैश्विक व्यापार तथा उधार ग्रहण करने की लागत में चूनौतियाँ:
 - वर्ष 2024 में वैश्विक व्यापार की वृद्धि [महामारी](#) से पूर्व दशक की औसत वृद्धि से लगभग आधी रहने का अनुमान है।
 - विकासशील अर्थव्यवस्थाओं, विशेषकर कम क्रेडिट रेटिंग वाली अर्थव्यवस्थाओं के लयि उधार लेने की लागत अधिक रहने का अनुमान है।
- वैश्विक विकास:
 - वैश्विक वृद्धि लगातार तीसरे वर्ष धीमी रहने का अनुमान है जिसके अनुसार वर्ष 2023 में 2.6% की तुलना में वर्ष 2024 में यह घटकर 2.4% हो जाएगी।
 - विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में यह स्तर केवल 3.9% बढने का अनुमान है इसमें वगित दशक के औसत से लगभग एक प्रतिशत से अधिक की कमी हुई है।
 - नमिन आय वाले देशों में 5.5% की वृद्धि होने का अनुमान है जो शुरुआती पूर्वानुमान से कम है।
- सन्नकित विकास का अभाव तथा उच्च ऋण स्तर:
 - विशेष रूप से विकासशील देशों में नकित अवधि में अल्प वृद्धि होने का अनुमान है जिससे [ऋण](#) का स्तर ऊँचा हो जाएगा तथा खाद्यान्न तक पहुँच सीमति हो जाएगी। इससे अनेक वैश्विक लक्ष्यों की प्रगत में बाधा उत्पन्न होगी।
- सफिराशें:
 - मौजूदा दशक में अवसर व्यर्थ होने से बचने के लयि नविश में तेज़ी लाने और राजकोषीय नीति ढाँचे को मजबूत करने हेतु तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।
 - रपिपोर्ट जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने और 2030 तक अन्य प्रमुख वैश्विक विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लयि विकासशील देशों द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 2.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के नविश में 'ज़बरदस्त' वृद्धि की सफिराश करती है।

- विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को व्यापक नीति पैकेज लागू करने की आवश्यकता है, जिसमें राजकोषीय और मौद्रिक ढाँचे में सुधार, सीमा पार व्यापार तथा वित्तीय प्रवाह का वस्तुतः, नविश माहौल में सुधार एवं संस्थागत गुणवत्ता को मज़बूत करना शामिल है।

वशिव बैंक क्या है?

परिचय:

- इसे वर्ष 1944 में IMF के साथ मलिकर पुनर्निर्माण और विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय बैंक (IBRD) के रूप में स्थापित किया गया था। बाद में IBRD वशिव बैंक बन गया।
- वशिव बैंक समूह पाँच संस्थानों की एक अनुठी वैश्विक साझेदारी है जो विकासशील देशों में गरीबी को कम करने और साझा समृद्धिका निर्माण करने वाले स्थायी समाधानों के लिये कार्य कर रहा है।
- वशिव बैंक संयुक्त राष्ट्र की वशिष्ट एजेंसियों में से एक है।

सदस्य:

- वशिव के 189 देश इसके सदस्य हैं।
- भारत भी इसका सदस्य है।

प्रमुख रिपोर्ट:

- मानव पूंजी सूचकांक
- वरलड डेवलपमेंट रिपोर्ट

पाँच विकास संस्थान:

- अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (IBRD)
- अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA)
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त नगिम (IFC)
- बहुपक्षीय गारंटी एजेंसी (MIGA)
- नविश विवादों के निपटान के लिये अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (ICSID)
 - भारत ICSID का सदस्य नहीं है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. कभी-कभी समाचारों में दखिने वाले 'आई.एफ.सी. मसाला बॉण्ड (IFC Masala Bonds)' के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2016)

1. अंतर्राष्ट्रीय वित्त नगिम (इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन), जो इन बॉण्ड को प्रस्तावति करता है, वशिव बैंक की एक शाखा है।
2. ये रुपया-अंकति मूल्य वाले बॉण्ड हैं और सार्वजनिक तथा नजी कषेत्रक के ऋण वित्तीयन के स्रोत हैं।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

प्रश्न : 'व्यापार करने की सुविधा के सूचकांक' में भारत की रैंकगि समाचारों में कभी-कभी दखिती है। नमिनलखिति में से कसिने इस रैंकगि की घोषणा की है? (2016)

- (a) आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)
- (b) वशिव आर्थिक मंच
- (c) वशिव बैंक
- (d) वशिव व्यापार संगठन (WTO)

उत्तर: (c)

